

नारायणा हेल्थ सीएसआर ने एनोबल की साझेदारी - नाहरी का नाका

महात्मा गांधी स्कूल में शिक्षा को बेहतर बनाने की पहल की

दैनिक अधिकार/जयपुर। कम्यूनिटी डेवलपमेंट के लिए नारायणा हेल्थ की सीएसआर विंग देश के स्कूलों को ऐसे हैपी स्कूल्स बनाने पर केन्द्रित है जहां विद्यार्थियों को प्रेरक और पोषक सीखने का वातावरण मिल सके। इसी तथ्य को ध्यान में रखते हुए नारायणा हेल्थ सीएसआर ने जयपुर, नाहरी का नाका स्थित महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय में एनोबल के साथ मिल कर इस प्रकार सीखने का नया इन्फ्रास्ट्रक्चर स्थापित किया है। इस एडवांस इन्फ्रास्ट्रक्चर के माध्यम से बेहतर स्वच्छता और एडवांस एसटीईएम लैब के साथ इस इनिशिएटिव के माध्यम से कक्षा 1 से बारहवी तक के 700 विद्यार्थियों को अधिक आकर्षक तरीके से प्रेरणस्पद अध्ययन की सुविधा मिल सकेगी और वे अपनी शिक्षा को और भी समृद्ध बना सकेंगे। इस कार्यक्रम में नारायणा हेल्थ जयपुर के सीएसआर प्रमुख अंकित श्रीमाली, नारायणा हेल्थ जयपुर के फेसिलिटी हेड बलविंदर सिंह वालिया, नारायणा हेल्थ जयपुर के

क्लिनिकल डायरेक्टर डॉ. प्रदीप कुमार गोयल, एनोबल सोशल इनोवेशन फाउण्डेशन के सीईओ चिराग भण्डारी के साथ-साथ जयपुर शिक्षा विभाग के वरिष्ठ अधिकारी, स्कूल के लीडरशिप और समाज के प्रमुख प्रतिनिधि उपस्थित रहे। इस अवसर पर

एनोबल के चीफ एक्जीक्यूटिव ऑफिसर चिराग भण्डारी ने अपने विचार साझा करते हुए कहा कि “इन्फ्रास्ट्रक्चर से परे, यह इनिशिएटिव विद्यार्थियों को अन्वेषण, इनोवेशन और क्रिएशन के लिए सशक्त बनाने के बारे में है। एसटीईएम लैब की शुरुआत से सीखने और भविष्य के अवसरों के नए रास्ते खुलेंगे।” इन विकासों के साथ, महात्मा गांधी नाहरी का नाका स्कूल



इस बात का प्रमाण है कि किस प्रकार सहयोगात्मक प्रयास कम्यूनिटीज का उत्थान कर सकते हैं और शैक्षिक परिदृश्य को फिर से नया आयाम स्थापित कर सकते हैं। इस इनिशिएटिव ने महत्वपूर्ण बदलावों के साथ स्कूल को पुनर्जीवित किया है, जिसमें स्वच्छता

सुविधाओं का आधुनिकीकरण, नए इंटीरियर के साथ कक्षाओं का नवीनीकरण, और अपग्रेटेड इलेक्ट्रिक इन्फ्रास्ट्रक्चर शामिल हैं, जिससे यहां के स्टूडेंट्स अच्छी तरह से रोशनी और हवादार लर्निंग स्पेसेज निश्चित तौर पर मिल सकेंगे। इंटरैक्टिव वॉल आर्ट स्कूल के कॉरिडोर और आकर्षक एवं जीवन्त बन गए हैं, जबकि एक नई एडवांस लाइब्रेरी, खेल उपकरण और हरे भरे

स्थान समग्र रूप से योगदान करते हैं। इस पहल की एक खास विशेषता अत्याधुनिक एसटीईएम (साइंस, टेक्नोलॉजी, इंजीनियरिंग, आर्ट एण्ड मैथेमेटिक्स) लैब की स्थापना है। व्यावहारिक शिक्षा और रचनात्मक खोज को बढ़ावा देने के लिए डिजाइन की गई यह लैब आधुनिक प्रकाश व्यवस्था, बिजली की फिटिंग और इंटरैक्टिव लर्निंग टूल्स से सुसज्जित है। उद्घाटन के अवसर पर, छात्रों ने आकर्षक प्रयोगों का प्रदर्शन करके एसटीईएम शिक्षा के प्रति अपने उत्साह का प्रदर्शन किया, जिसमें अनुभवात्मक शिक्षा की शक्ति पर प्रकाश डाला गया। यह नया बदलाव केवल भौतिक नहीं है यह आकांक्षाओं को आकार देने और छात्रों को बड़े सपने देखने के लिए संसाधन प्रदान करने के बारे में है। बेहतर स्वच्छता, समृद्ध शिक्षण वातावरण और एक गतिशील एसटीईएम लैब के साथ, यह पहल जयपुर में शैक्षिक प्रगति के लिए एक बेंचमार्क स्थापित करती है।